भाग अ - परिचय				
कार्यक्रमः: प्रमाणपत्र		वर्ष : 2021	सत्र 2021:-22	
判法的法律的法律				
पाठ्यक्रम का कोड		V1-HOR-ORG	T	
पाठ्यक्रम का शीर्षक		जैविक खेती		
पाठ्यक्रम का प्रकार :		व्यावसायिक		
पूर्वापेक्षा (Prerequisite)	इस कोर्स का अध्ययन करने के लिए छात्र को किसी भी विषय में 12वीं कक्षा पास होना			
(यदि कोई हो)	चाहिए।			
पाठ्यक्रम अध्धयन की परिलब्धियां	इस कोर्स का अ	गध्ययन करने के बाद छात्र निम्न	कर सकने में सक्षम होगा -	
(कोर्स लर्निंग आउटकम)) CLO)	• संरक्षित खेती के लिए मीडिया तैयार करना			
	• सिंचाई और फस्टीगेशन, ग्री देखभाल और रखरखाव।	न हाउस संचालन, सिंचाई और	प्यूस्टीगेशन, संरक्षित संरचना की	
	• संरक्षित खेती में विशेष	बागवानी प्रक्रियाओं को समझ	गन्।	
	• कीट-नाशकजीवों और बीम को समझाना	ारियों की पहचान और नियंत्रण	फसल और कटाई के बाद की प्रक्रियाओं	
अपेक्षित रोजगार करियर के /	सरकारी क्षेत्र के साथ-साथ नि	ोजी क्षेत्र में नौकरी के अवसर	एवं स्वरोजगार।	
अवसर				
क्रेडिट मान		4		

भाग ब- पाठ्यक्रम की विषयवस्तु

व्याख्यानों की कुल संख्या + प्रैक्टिकल (प्रति सप्ताह घंटों में): व्याख्यान -1 घंटे / प्रैक्टिकल अवधि -1 प्रायोगिक घंटे

व्याख्यान/प्रैक्टिकल की कुल संख्या : L-30hrs/P-30hrs

ॉड्यूल	विषय	घंटे	
I	परिचय और सिद्धांत, जैविक खेत का विकास, मिट्टी को जैविक मिट्टी की खेती और जुताई में बदलना, अच्छी बढ़ती	5	
1	परिस्थितियों का निर्माण, मिट्टी का संघनन, मिट्टी की खेती के प्रकार।		
II	फसल योजना और प्रबंधन, फसल चक्र, अंतरफसल, कवर फसलें, फसल-पशु संघ।	8	
	मल्चिंग: परिभाषा, उपयोग, मल्च सामग्री का चयन, मल्चिंग सामग्री का स्रोत, मल्च का अनुप्रयोग।		
III	जैविक रूप से खेत का प्रबंधन करें, लाइव बाड़ लगाना, जल और पोषक तत्व प्रबंधन, खरपतवार प्रबंधन, कीट और रोग प्रबंधन।	. 10	
	पौध प्रसार, बीज मूल्यांकन के लिए मानदंड, लक्षण वर्णन और गुणन, पारंपरिक किस्मों का महत्व, बीज संरक्षण।		
IV	जैविक प्रबंधन के अन्य रूप, बायोडायनामिक कृषि, ऋषि कृषि, प्राकृतिक खेती, पंचगव्य कृषि, नाटुको खेती, होमा खेती।	7	
	प्रायोगिक पाठ्यक्रम	10000000000000000000000000000000000000	
	1. मृदा नमूनाकरण और मृदा पीएच का निर्धारण।	30	
	2. मृदा कार्बनिक कार्बन सामग्री का निर्धारण।		
	3. नर्सरी और बीज क्यारी तैयार करना।		
	4. कवकनाशी और जैव-उर्वरक के साथ बीज उपचार।		
	5. विभिन्न प्रकार के रासायनिक उर्वरकों, खादों, जैव उर्वरकों की पहचान।		
	6. फसलों (गेहूं, चावल और मक्का के लिए) की पोषक आवश्यकताओं के आधार पर उर्वरक आवश्यकता की गणना।		
	7. एफवाईएम और कम्पोस्ट तैयार करना।		
	8. कीट नियंत्रण और पोषक तत्व स्प्रे के लिए स्प्रेयर और डस्टर का उपयोग।		
	9. फसल के बीज (गेहूं, चावल, मक्का और सरसों) में नमी की मात्रा का निर्धारण।		
	10. किसी फसल के खेत का दौरा करें और स्वस्थ पौधे की तुलना रोगग्रस्त और कीट प्रभावित पौधे से		
	करें। 11. विभिन्न प्रकार के कीटनाशकों, कवकनाशी और शाकनाशी की पहचान।		

परियोजना / अध्ययन यात्रा : जैविक फार्म का भ्रमण / खेती के किसी भी विषय से संबंधित परियोजना प्रस्तुति

भाग स -अनुशंसित अध्ययन संसाधन

पाठ्य पुस्तकें, संदर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन

अनुशंसित सहायक पुस्तकें ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाधन//पाठ्य सामग्री:

- Principles of Organic Farming-by S.R. Reddy, Kalyani Publishers, New Delhi.
- Organic Farming (Theory and Practice)- by S.P Palaniappan and Annadurai, *Scientific Publishers*, New Delhi

2. अनुशंसित डिजिटल प्लेटफॉर्म वेब लिंक

- www.nptel.ac.in > organic forming > 126/105/126105014
- http://www.agmoocs.in/ organic forming

Part A Introduction				
Program: Certificate		Year: First Year	Session: 2021-22	
Course Code		V1-HOR-ORGT		
Course Title		Organic Farming		
Course Type		Vocational		
Pre-requisite (if any)		Open for All		
Course Learning outcomes (CLO)	 Prepare med Demonstrate irrigation as structure. Demonstrate 	nd fustigation, care and e special horticultural pract control of insect-pest and		
Expected Job Role / career opportunities	Job opportunities in employment.	n government sector as we	ll as private sector and self	
Credit Value		4		

Part B- Content of the Course

Total No. of Lectures + Practical (in hours per week): L-1 Hr / P-1 Lab Hr

Total No. of Lectures/ Practical: L-30hrs/P-30hrs

Module	Topics	No. of Hours		
I	Introduction and Principles, Developing Organic farm, conversion of soil to organic Soil Cultivation and Tillage, Creating good growing conditions, soil compaction, Types of soil cultivation.			
II	Crop planning and management, Crop rotation, intercropping, cover crops, crop - animal association. Mulching: Definition, Uses, Selection of mulch materials, source of mulching materials, Application of mulch.			
III .	Organically manage the field, Live fencing, Water and nutrient management, Weed management, Pest and disease management. Plant propagation, Criteria for seed evaluation, characterization and multiplication, Importance of traditional varieties, Seed conservation.			
IV	Other forms of organic management, Biodynamic agriculture, Rishi Krishi, natural farming, panchgavya krishi, Natueco farming, Homa farming.			

Practical	
Soil sampling and determination of Soil pH.	
2. Determination of soil organic carbon content.	
3. Preparation of nursery and seed beds.	30
4. Seed treatment with fungicides and Bio-fertilizers.	
5. Identification of different types of chemical fertilizers, composts, bio-fertilizers.	
6. Calculation of fertilizer requirement of crops (for wheat, rice and maize) based on their nutrient needs.	
7. Preparation of FYM and Compost.	
8. Uses of sprayers and dusters for pest control and nutrient spray.	
Determination of moisture content of crop seeds (wheat, rice, maize and mustard).	
10. Visit to a crop field and compare healthy plant with a diseased and insect affected plant.	
11. Identification of different types of Insecticides, Fungicides and Herbicides.	

Project/ **Field trip:** Excursion of an Organic Farm/ Presentation of a project related to any topic of Organic Farming.

Part C-Learning Resources

Text Books, Reference Books, Other resources

Suggested Readings:

- Principles of Organic Farming-by S.R. Reddy, Kalyani Publishers, New Delhi.
- Organic Farming (Theory and Practice)- by S.P Palaniappan and Annadurai, *Scientific Publishers*, New Delhi

Suggestive digital platforms web links

- www.nptel.ac.in > organic forming > 126/105/126105014
- http://www.agmoocs.in/ organic forming